# हिन्दी

**Set-3 : 2018**
**801 (HC)**

*समय : तीन घण्टे 15 मिनट ]* *[पूर्णांक : 70*

**नोट :** प्रारम्भ के **15** मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई **एक** कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए : 1

(i) जयशंकर प्रसाद एक आलोचक के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(ii) 'प्रेमचन्द अपने घर में' की लेखिका शिवरानी देवी हैं।

(iii) रामचन्द्र शुक्ल की गणना श्रेष्ठ कवि के रूप में होती है।

(iv) 'रांगेय राघव' कवि के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी **एक** कृति के लेखक का नाम लिखिए : 1

(i) 'चलो चाँद पर चलें'

(ii) 'तुम चन्दन हम पानी'

(iii) 'प्रतिध्वनि'

(iv) 'अशोक के फूल'

(ग) 'अर्द्धनारीश्वर' किस विधा की रचना है? 1

(घ) रिपोर्ताज विधा के किसी एक लेखक का नाम लिखिए। 1

(ङ) 'दक्षिण भारत की एक झलक' किस विधा की रचना है? 1

2. (क) प्रयोगवादी काव्यधारा की दो प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीज़िए। 2

(ख) रीतिमुक्त कवियों में से किन्हीं दो का नामोल्लेख कीजिए। 2

(ग) निम्नलिखित रचनाओं में से किसी **एक** के रचनाकार का नामोल्लेख कीजिए : 1

(i) रसवन्ती (ii) आँसू

(iii) गीत-फरोश (iv) बहुरि अकेला

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी **एक** के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2=6

(क) एक प्राचीन विद्वान का वचन है–"विश्वासपात्र मित्र से बड़ी रक्षा रहती है। जिसे ऐसा मित्र मिल जाय उसे समझना चाहिए कि खजाना मिल गया।" विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषध है। हमें अपने मित्रों से यह आशा रखनी चाहिए कि वे उत्तम संकल्पों से हमें दृढ़ करेंगे, दोषों और त्रुटियों से हमें बचाएँगे, हमारे सत्य, पवित्रता और मर्यादा के प्रेम को पुष्ट करेंगे, जब हम कुमार्ग पर पैर रखेंगे, तब वे हमें सचेत करेंगे, जब हम हतोत्साहित होंगे तब हमें उत्साहित करेंगे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) हमें अपने मित्रों से कौन सी आशा रखनी चाहिए?

(ख) आज विज्ञान मनुष्यों के हाथों में अद्‌भुत और अतुल शक्ति दे रहा है, उसका उपयोग एक व्यक्ति और समूह के उत्कर्ष और दूसरे व्यक्ति और समूह के गिराने में होता ही रहेगा। इसलिए हमें उस भावना को जाग्रत रखना है और जाग्रत रखने के लिए कुछ ऐसे साधनों को भी हाथ में रखना होगा, जो अहिंसात्मक त्याग-भावना को प्रोत्साहित करें और भोग-भावना को दबाए रखें। नैतिक अंकुश के बिना शक्ति मानव के लिए हितकर नहीं होती। वह नैतिक अंकुश यह चेतना या भावना ही दे सकती है। वही उस शक्ति को परिमित भी कर सकती है और उपयोग को नियन्त्रित भी।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) आज विज्ञान मनुष्य के हाथ में कैसी शक्ति दे रहा है?

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी **एक** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए और उसका काव्यगत सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 1+4+1=6

(क) मानुष हौं तौ वही रसखानि,
बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जौ पशु हौं तो कहा बस मेरो,
चरौं नित नन्द की धेनु मझारन।।
पाहन हौं तो वही गिरि को,
जो धर्‌यो कर छत्र पुरन्दर-धारन।
जो खग हौं तो बसेरो करौं,
मिलि कालिंदी-कूल कदंब की डारन।।

(ख) फूल गिरते, शूल,
शिर ऊँचा लिए हैं
रसों के अभिमान,
को नीरस किये हैं।
खून हो जाये न तेरा देख, पानी,
मरण का त्योहार, जीवन की जवानी।।

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय दीजिए और उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2+1=3

(i) जयप्रकाश भारती

(ii) रामधारीसिंह 'दिनकर'

(iii) भगवतशरण उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी एक रचना का नाम लिखिए : 2+1=3

(i) तुलसीदास

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) अशोक वाजपेयी

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1+3=4

एषा नगरी भारतीयसंस्कृतेः संस्कृतभाषायाश्च केन्द्रस्थली अस्ति। इत एव संस्कृतवाङ्मयस्य संस्कृतेश्च आलोकः सर्वत्र प्रसृतः। मुगलयुवराजः दाराशिकोहः अत्रागत्य भारतीय-दर्शन-शास्त्राणाम् अध्ययनम् अकरोत्। स तेषां ज्ञानेन तथा प्रभावितः, यत् तेन उपनिषदाम् अनुवादः पारसी-भाषायां कारितः।

***अथवा***

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत्।।

7. (क) अपनी पाठ्य-पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो। 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1+1=2

(i) अलक्षेन्द्रः पुरोः केन भावेन हर्षितः अभवत्?

(ii) प्रहेलिकायाः किम् उत्तरम् आसीत्?

(iii) उपेक्षया किम् वर्धते?

(iv) भारतीयसंस्कृतेः मूलं किम् अस्ति?

8. (क) निम्नलिखित में प्रयुक्त रस को पहचान कर लिखिए : 2

बिलपहिं बिकलदास अरु दासी। घर घर रुदन करहिं पुरवासी।
अँथयउ आजु भानुकुल भानू। धरम अवधि गुन रूप निधानू।।

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार पहचान कर लिखिए : 2

सोहत ओढ़े पीतु पटु, श्याम सलोने गात।
मनौ नीलमनि-सैल पर, आतप पर्‌यो प्रभात।।

(ग) 'रोला' **अथवा** 'सोरठा' छन्द का लक्षण और उदाहरण दीजिए। 2

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं **तीन** के मेल से **एक-एक** शब्द बनाइए : 1+1+1=3

(i) निर्  (ii) अप  (iii) अधि

(iv) उप  (v) अभि

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रत्ययों का प्रयोग करके **एक-एक** शब्द बनाइए : $1+1=2$

(i) त्व (ii) हट (iii) पन

(iv) आई (v) वट

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : $1+1=2$

(i) देश-विदेश (ii) पंचपात्र

(iii) लम्बोदर (iv) महात्मा

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के तत्सम रूप लिखिए : $1+1=2$

(i) जेठ (ii) दरसन

(iii) सुमिरन (iv) आखर

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के **दो-दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए : $1+1=2$

(i) विष्णु (ii) हिरन

(iii) बिजली (iv) चन्द्रमा

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में सन्धि कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए : $1+1=2$

(i) ऌ + आकृतिः (ii) मधु + अरि

(iii) तदा + एव (iv) महा + ओघः

(ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप पंचमी विभक्ति बहुवचन में लिखिए : $1+1=2$

(i) नदी **अथवा** मधु

(ii) युष्मद् **अथवा** तद् (स्त्रीलिंग)

(ग) निम्नलिखित में से किसी **एक** की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए : 2

(i) पठेः (ii) हसतु (iii) पचताम्

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2

(i) घर पर पत्नी मित्र होती है।

(ii) भारतीय संस्कृति सदैव गतिशील है।

(iii) विद्या अभ्यास से बढ़ती है।

(iv) चन्द्रमा को देखकर समुद्र बढ़ता है।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

(i) सत्संगति का महत्त्व

(ii) किसी देखे हुए मेले का वर्णन

(iii) देश के प्रति हमारा कर्त्तव्य

(iv) मेरा प्रिय नेता

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए : 3

(क) (i) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

(ii) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी के जीवन में घटित प्रमुख घटना को संक्षेप में लिखिए।

(ख) (i) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहरलाल नेहरू की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आयोजन सर्ग का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

(घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के भामाशाह सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर राणा प्रताप के जीवन में घटित प्रमुख घटना को संक्षिप्त रूप में लिखिए।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथा-सार अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के उन प्रमुख पात्रों का संक्षिप्त परिचय दीजिए, जिन्होंने सुभाष को विशेष रूप से प्रभावित किया।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर 'आजाद' के देश-प्रेम का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के संकल्प सर्ग का कथा-सार लिखिए।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कुन्ती का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर सप्तम सर्ग का कथा-सार लिखिए।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर राम का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर मेघनाद-वध सर्ग का कथानक लिखिए।

## उत्तरमाला

1. (क) (ii) (ख) (i) जय प्रकाश भारती (ii) विद्या निवास मिश्र (iii) जयशंकर प्रसाद (iv) जयशंकर प्रसाद (ग) निबन्ध (घ) धर्मवीर भारती (ङ) यात्रावृत्त

2. (क) (i) कुण्ठा और निराशा का स्वर (ii) अतियथार्थवादी दृष्टिकोण
   (ख) (i) घनानन्द (ii) बोधा
   (ग) (i) रामधारी सिंह 'दिनकर' (ii) जय शंकर प्रसाद
   (iii) भवानी प्रसाद मिश्र (iv) अशोक बाजपेयी

9. (क) (i) निर्जन (ii) अपवाद (iii) अधिकार (iv) उपयोग
   (v) अभियुक्त
   (ख) (i) सतीत्व (ii) घबराहट (iii) मोटापापन (iv) घबरायी
   (v) बनावट
   (ग) (i) देश और विदेश (द्वन्द्व समास)
   (ii) पाँच पात्रों का समाहार (द्विगु समास)
   (iii) लम्बा है उदर जिसका (बहुव्रीहि समास)

(iv) महान है जो आत्मा (कर्मधारय समास)

(घ) (i) ज्येष्ठ (ii) दर्शन (iii) स्मरण (iv) अक्षर

(ङ) (i) जनार्दन, चक्रपाणि (ii) मृग, मारीच

(iii) चपला, विद्युत (iv) शशि, सोम

10. (क) (i) लाकृतिः (यण् सन्धि) (ii) मध्वरिः (यण् सन्धि)

(iii) तदा + एव (वृद्धि सन्धि) (iv) महौघः (वृद्धि सन्धि)

(ख) (i) नदीभ्यः, मधुभ्यः (ii) युष्मत्, ताभ्यः

(ग) (i) पठ् धातु, विधिलिङ्, मध्यम पुरुष, एकवचन।

(ii) हस् धातु, लोट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन।

(iii) पच् धातु, लोट् लकार, प्रथम पुरुष, द्विवचन।